सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 121 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 4 जून, 2024
मूल्य ₹ 3/-

एक छोटी सी मोमबत्ती का प्रकाश कितनी दूर तक जाता है! इसी तरह इस बुरी दुनिया में एक अच्छा काम चमचमाता है।
–विलियम शेक्सपीयर

फजलहक फारूकी के पंजे में... 7 | सिक्किम विधानसभा चुनाव में... 3 | झूठ के खिलाफ सत्य की इस... 2

राहुल-अखिलेश की आंधी में भाजपा हुई पसीने-पसीने

मोदी, शाह, राहुल व अखिलेश को बढ़त

» रुझानों में चौंकाने वाले आंकड़े

» थरूर, अधीर रंजन, स्मृति चल रहे पीछे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सारे एग्जिट पोलों के दावे को नकारते हुए रुझानों से ऐसा लग रहा है इसबार किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलेगा। पर अनुमान है कि बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनेगी। दोपहर तक चुनाव आयोग के अनुसार भाजपा 236, कांग्रेस को 100 सीटों पर बढ़त बनी हुई। वहीं रुझानों में एनडीए को बहुमत मिल रहा है। इंडिया 232 सीटों पर आगे चल रही है। बीजेपी को सबसे ज्यादा झटका यूपी व बंगाल से मिला है। यूपी में राहुल गांधी व अखिलेश यादव की जोड़ी ने भाजपा को करारा झटका दिया। रुझानों में सपा-कांग्रेस कमाल करता दिख रहा है। यहां पर यूपी में इंडिया गठबंधन व एनडीए में कांटे की टक्कर दिख रही है।

गौरतलब हो कि सबसे ज्यादा 80 लोकसभा सीटों वाली यूपी में ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतने के लिए सियासी दल पूरी जोर आजमाइश करते हैं। 2014 में जब यूपी समेत पूरे देश में मोदी लहर थी, तब भाजपा ने यूपी में 71 सीटें जीती थीं। मतों में उसकी हिस्सेदारी 42.3 फीसदी रही। 2019 में भगवा खेमे का वोट शेयर बढ़कर 49.6 फीसदी तो हुआ, पर 9 सीटों का उसे नुकसान उठाना पड़ा। लेकिन 2024 के प्रारंभिक आंकड़े चौंका रहे हैं।

महबूबा व उमर पिछड़े, ममता व नीतीश का जलवा

35
सीटों पर उत्तर प्रदेश में सपा की बढ़त

दोपहर 3:00 बजे तक के रुझान

294	232	17
NDA	INDIA	OTHER

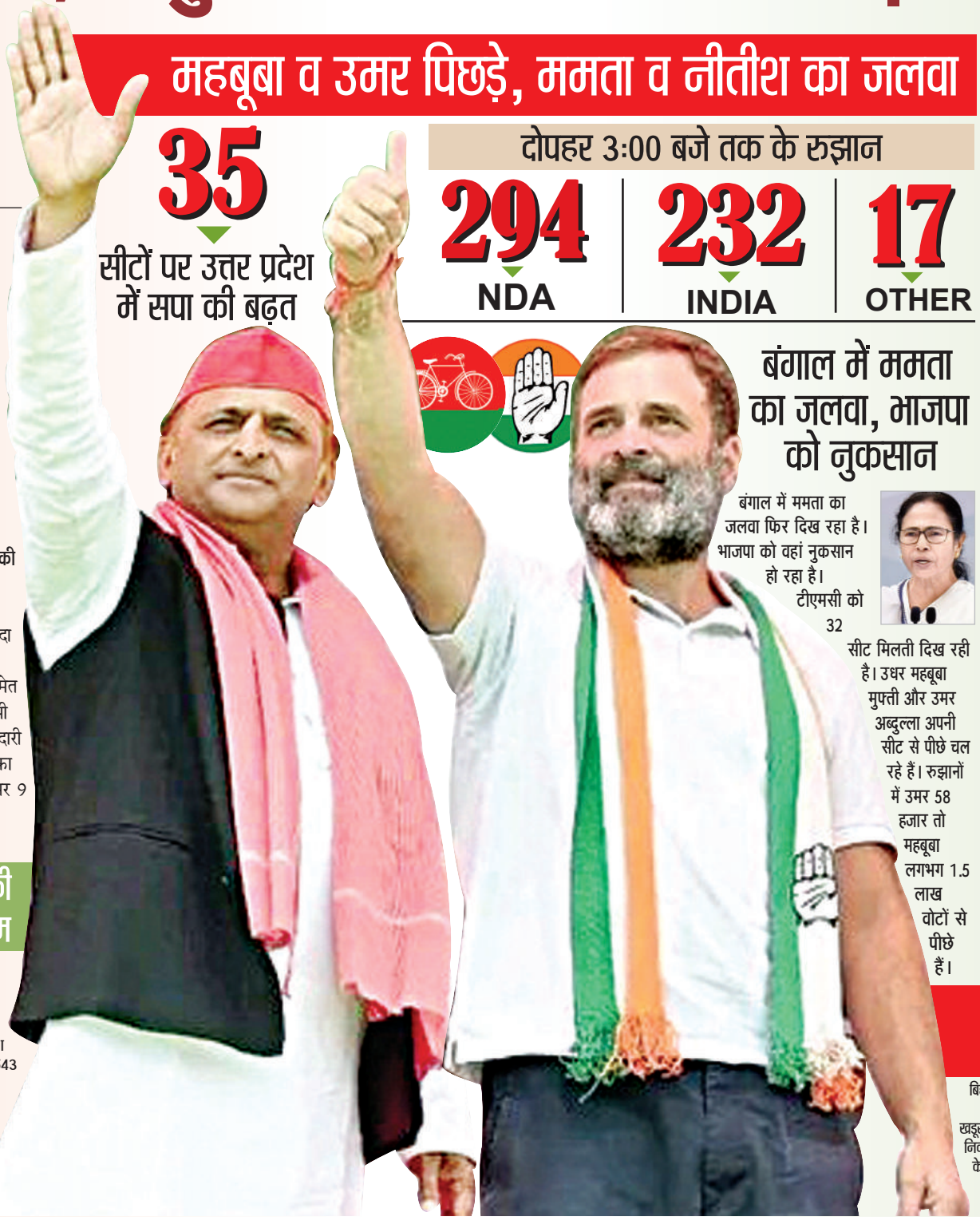

बंगाल में ममता का जलवा, भाजपा को नुकसान

बंगाल में ममता का जलवा फिर दिख रहा है। भाजपा को वहां नुकसान हो रहा है। टीएमसी को 32 सीट मिलती दिख रही है। उधर महबूबा मुफ्ती और उमर अब्दुल्ला अपनी सीट से पीछे चल रहे हैं। रुझानों में उमर 58 हजार तो महबूबा लगभग 1.5 लाख वोटों से पीछे हैं।

3 बजे तक के रुझान : आगे

नरेन्द्र मोदी बनारस

राजनाथ सिंह लखनऊ

अमित शाह गांधीनगर

राहुल गांधी रायबरेली

अखिलेश यादव कन्नौज

डिंपल यादव मैनपुरी

3 बजे तक के रुझान: पीछे

मेनका गांधी सुल्तानपुर

स्मृति ईरानी अमेठी

महबूबा मुफ्ती अनन्तनाग

नकुलनाथ छिंदवाड़ा

दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' आजमगढ़

दिग्विजय सिंह राजगढ़

रुझान दिखा रहे, मोदी की नैतिक हार होगी : जयराम

कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि लोकसभा चुनाव के अब तक के रुझानों से स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नैतिक हार होने जा रही है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, अब सभी 543 सीटों के रुझान आ गए हैं। दो चीजें बिल्कुल स्पष्ट हैं। पहली यह कि यह नरेन्द्र मोदी के लिए एक चौंकाने वाली राजनीतिक और निर्णायक नैतिक हार होगी।" रमेश ने कहा, "दूसरी बात यह कि उन्होंने (मोदी ने) जिस तरह एग्जिट पोल को 'मैनेज' कराया था, उससे वह बेनकाब हो गए हैं। एग्जिट पोल के आंकड़े पूरी तरह से बनावटी थे।

बिहार में नीतीश का आधार कायम

बिहार में नीतीश कुमार का जलवा कायम दिख रहा है। जेडीयू 15 सीटों पर आगे चल रही है। वहीं पंजाब की खडूर साहिब सीट से अमृतपाल सिंह 1 लाख वोटों से आगे निकल गए हैं। खालिस्तान समर्थक अमृतपाल एनएसए के तहत असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद है। बंगाल की बेहरामपुर सीट से अधीर रंजन चौधरी को झटका लगता दिख रहा है।

झूठ के खिलाफ सत्य की इस लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाने की कोशिश : लालू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने बड़ा दावा किया है। लालू प्रसाद ने कहा कि बिहार में और देश में फिर से जनता की सरकार आ रही है। इंडिया गठबंधन भारी बहुमत से चौंकाने वाले रिजल्ट देकर जा रहा है। सारे मनोवैज्ञानिक प्रोपेगेंडा धरे के धरे रह जाएंगे, जनता के साथ मिलकर हम जनता की सरकार बनाएंगे।

उन्होंने इंडी गठबंधन के नेताओं और कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि हम सभी का यह दायित्व है कि हम जनता के मत की रक्षा कर सकें और झूठ के खिलाफ सत्य की इस लड़ाई को अंजाम तक पहुंचा सके। तो साथियों होशियार रहना है, चौकन्ना रहना है, एक-

एक वोट की गिनती सजगता के साथ करानी है। सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर राजद सुप्रीमो ने कहा कि

बिहार की जनता का दिया एक-एक मत सुरक्षित

पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद ने आगे लिखा कि साथियों, मैं आपसे कहना चाहता हूं कि जो मुहीम हमने शुरू की थी उसको अभी मंजिल पर पहुंचाना बाकी है, जनता ने अपना मत इंडिया गठबंधन की विजय के तौर पर दे दिया है लेकिन इस जनमत को सुरक्षित परिणाम तक पहुंचाना हमारा दायित्व है, इसलिए बिना रुके, बिना थके मतगणना स्थल पर जोश, उमंग और उत्साह के साथ सक्रिय रहें और सुनिश्चित करें कि बिहार की जनता का दिया एक-एक मत सुरक्षित रहे जिससे कि हमारा लोकतंत्र, संविधान और आरक्षण भी सुरक्षित रह पाए।

लोकतंत्र के महापर्व लोकसभा चुनाव में आपने जिस तरह से बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर इंडिया गठबंधन के पक्ष में जमकर मतदान किया।

इसके लिए मैं आप सभी का हृदय से आभारी हूं। मैं आभारी हूं इंडी गठबंधन और राष्ट्रीय जनता दल के एक-एक कार्यकर्ता का जिसने चुनाव के दौरान भीषण गर्मी की परवाह किए बिना पूर्ण मनोयोग के साथ संविधान, लोकतंत्र और आरक्षण को बचाने के लिए दिन-रात एक कर दिया।

एग्जिट पोल करने वाली एजेंसियां एक्सपोज : संजय

मतगणना को प्रभावित करने की कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 की मतगणना शुरू होने से ठीक एक दिन पहले आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने एग्जिट पोल्स को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। संजय सिंह ने आरोप लगाते हुए कहा कि एग्जिट पोल्स के द्वारा भाजपा जनता को भ्रमित और मतगणना को प्रभावित करने की नाजायज कोशिश कर रही है। एग्जिट पोल्स खुद ही खुद को गलत साबित कर रहा है।

एग्जिट पोल करने वाली एजेंसियों ने खुद को एक्सपोज कर दिया है। संजय सिंह ने कहा कि एग्जिट पोल अपने आप में बेहद ही हास्यास्पद है। यूपी में इंडिया गठबंधन का 7प्रतिशत वोट शेयर बढ़ाया गया। वहीं एनडीए का 4 प्रतिशत वोट शेयर घटाया गया। इसके बावजूद इंडिया गठबंधन को सीटें कम मिलती हुई दिखाई गई हैं और एनडीए गठबंधन को ज्यादा सीटें मिलती हुई बताई गई हैं। ये कौन सा एग्जिट पोल है? इन एग्जिट पोल्स के आंकड़े ऐसे हैं, जिन पर शायद भगवान भी भरोसा नहीं करेंगे। कई राज्यों में जो पार्टियां चुनाव लड़ भी नहीं रही हैं, उन्हें वहां जीता हुआ बताया जा रहा है। कई एग्जिट पोल में पार्टियां जितनी सीट पर चुनाव भी नहीं लड़ीं, उससे ज्यादा उन्हें जीती हुई सीट दी जा रही हैं। कई राज्यों में जितनी सीट भी नहीं हैं, उससे ज़्यादा उन राज्यों में चुनाव नतीजों का आंकड़ा दिया गया है।

विधानसभा अध्यक्ष सरकार की कठपुतली बनकर कर रहे काम : जयराम ठाकुर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मंडी। तीन निर्दलीय विधायकों के इस्तीफे को स्वीकार करने के मामले में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने बयान जारी कर कहा कि माननीय विधानसभा अध्यक्ष को जब यही करना था तो पहले क्यों नहीं किया। जान-बूझकर पूरे मामले को लटकाया गया, जिससे तीनों निर्दलीय विधायक इसी आम लोकसभा और विधानसभा उपचुनावों में भाग न ले पाएं, जिससे बहुत समय और संसाधन की बचत हो सकती थी। इस तरह से जान-बूझकर किसी फैसले को लटकाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।

जयराम ठाकुर ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष सांविधानिक पद पर बैठे हैं, लेकिन वह अपनी गरिमा के विपरीत काम कर रहे हैं। विधानसभा अध्यक्ष सरकार की कठपुतली बन कर काम कर रहे हैं।

गरिमा के विपरीत काम कर रहे

इस तरह से पद की गरिमा के विपरीत वह क्यों काम कर रहे हैं, उन्हें इसका जवाब देना चाहिए। जयराम ठाकुर ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष की ओर से छह विधायकों का सिर कलम कर देने और तीन विधायकों के सिर आरी के नीचे होने जैसी बात करना दुर्भाग्यपूर्ण है। इस तरह के बयानों की देवभूमि में कोई जगह नहीं है। इस पूरे प्रकरण में वह कांग्रेस सरकार को लाभ पहुंचाने का प्रयास कर कर रहे हैं। सरकार को बार-बार बचाने के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों की उपेक्षा की जा रही है। बजट पास करवाने के लिए विधानसभा अध्यक्ष ने भारतीय जनता पार्टी के 15 सदस्यों को निष्कासित कर सरकार बचाई।

नए विपक्ष के उदय से ही लोकतंत्र मजबूत होगा : उमा भारती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों के एग्जिट पोल के बहाने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि देश का विपक्ष एक भी सीट के लायक नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने सोशल मीडिया पर लिखा कि मैंने आज सबेरे एक्स पर कहा कि मेरे अनुमान में एनडीए की 450 से कम सीटें नहीं आएंगी।

उन्होंने आगे लिखा कि उसके दो कारण हैं। इस विपक्ष को जमींदोज होकर नए विपक्ष को उदित होना ही भारतीय लोकतंत्र को मजबूत करेगा। उमा ने कहा कि 1984 में जब मैं भाजपा में आई तब हमने लोकसभा में सिर्फ दो सीटें जीती थी तथा अन्य विरोधी दलों की सीटें भी बहुत कम थीं। फिर भी इन 5 सालों में हमने राजीव गांधी की प्रचंड बहुमत प्राप्त सरकार को धराशायी कर दिया था, क्योंकि हमने सही विचार एवं सही विकल्प देश के सामने प्रस्तुत किए थे। हिमालय में उत्तराखंड के ही नहीं अन्य राज्यों के भी तीर्थ यात्री मिलते हैं, उनकी बातों से तो लगता था कि विपक्ष को वोट मिलेंगे ही नहीं। सच्चाई भी यही है कि आज हमारे देश का विपक्ष एक भी सीट के लायक नहीं है, क्योंकि उन्होंने मोदी

को गाली देने के अलावा कोई विकल्प या विचार प्रस्तुत ही नहीं किया।

ज्ञात हो कि मध्य प्रदेश में 2014 में मोदी लहर में कांग्रेस के बड़े-बड़े गढ़ ढह गए थे। सिर्फ गुना और छिंदवाड़ा में ही कांग्रेस को जीत मिली थी। 2019 में तो माहौल ही बदल गया। गुना में ज्योतिरादित्य सिंधिया को हार मिली। कमलनाथ के गढ़ छिंदवाड़ा को नकुल नाथ महज 25 हजार वोट से जीत सके थे। 2023 के विधानसभा चुनावों के नतीजों के आधार पर कांग्रेस को उम्मीद थी कि वह कम से कम 5 सीटों पर चुनौती देने की स्थिति में है। हालांकि, भाजपा के केंद्रीय और राज्य के नेतृत्व ने संकल्प लिया और सभी सीटों को जीतने के लिए पूरी ताकत लगा दी। इसका असर दिख भी रहा है।

दिल्ली सरकार में मंत्री रहे राजकुमार का इस्तीफा मंजूर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री राजकुमार आनंद का इस्तीफा मंजूर हो गया है। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने राष्ट्रपति को इसकी सिफारिश भी भेज दी है। इसको लेकर एलजी ऑफिस से बयान जारी किया है। बता दें कि 31 मई को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राजकुमार आनंद के इस्तीफे को मंजूर करने की सिफारिश उपराज्यपाल को भेजी थी।

एलजी ऑफिस की ओर से जारी किए गए बयान कहा गया कि उपराज्यपाल को की गई इस सिफारिश के साथ एससी/एसटी कल्याण, समाज कल्याण, सहकारिता और गुरुद्वारा चुनाव जैसे अहम विभाग नेतृत्वहीन और पंगु हो गए हैं, क्योंकि दिल्ली सीएम केजरीवाल ने इन विभागों को किसी अन्य मंत्री को आवंटित नहीं किया। ऐसे में यह सभी विभाग स्वत: ही मुख्यमंत्री के हाथ में पहुंच गए। बयान में आगे कहा गया कि सीएम दोबारा जेल

चले गए हैं, तो उनके लिए इन महत्वपूर्ण विभागों के लिए किसी भी तरह के निर्णय लेना असंभव होगा और इनसे जुड़े सभी कार्य पूरी तरह से ठप्प हो जाएंगे। राजकुमार आनंद साल 2020 में पहली बार पटेल नगर सीट से विधायक बने थे। इससे पहले उनकी पत्नी वीना आनंद भी इसी विधानसभा क्षेत्र से विधायक रह चुकी हैं। दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री राजेंद्र पाल गौतम की जगह राजकुमार आनंद को कैबिनेट में शामिल किया गया था। बता दें बौद्ध सम्मेलन के एक कार्यक्रम में हिंदू देवी-देवताओं पर अभद्र टिप्पणी की गई थी, जहां राजेंद्र पाल गौतम भी मौजूद थे, जिसके बाद काफी बवाल हुआ था और राजेंद्र गौतम को कैबिनेट से इस्तीफा देना पड़ा था।

सिक्किम विधानसभा चुनाव में बीजेपी की बड़ी हार

अरुणाचल में कांग्रेस भी रही खाली हाथ

सिक्किम में भाजपा को नहीं मिली एक भी सीट

» पूर्वोत्तर में बीजेपी व कांग्रेस की खिसकी साख!

» सिक्किम बीजेपी को केवल 5.18, एसकेएम को 58.38 सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट को 27.37 प्रतिशत वोट मिले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोक सभा चुनाव के साथ-साथ चार राज्यों के विधान सभा चुनाव भी खत्म हो चुके हैं। दो पूर्वोत्तर राज्यों अरुणाचल प्रदेश व सिक्किम के परिणाम आ चुके हैं। जहां अरुणाचल में बीजेपी को बहुमत मिला है तो सिक्किम में एसकेएम की सरकार बन रही है। वही ओडिशा व आंध्र प्रदेश में परिणाम मंगलवार को आएंगे। एग्जिट पोल के हिसाब से इन दोनों राज्यों में एनडीए-बीजेपी की सरकार बन सकती है।

उधर दोनों महत्वपूर्ण पूर्वोत्तर राज्यों में जहां सिक्किम में दोनों बड़ी पार्टियों कांग्रेस व भाजपा को एक भी सीट नहीं मिली वहीं अरुणाचल में कांग्रेस को भारी नुकसान हुआ है क्योंकि प्रेम कुमार खांडू जो अभी बीजेपी के झंडाबरदार बने हैं वह कभी कांग्रेस के खेवनहार थे। सिक्किम में दोस्त ने ही बीजेपी को जीरो कर दिया। विधानसभा चुनाव के नतीजों में इस बार बीजेपी का प्रदर्शन बेहद ही खराब रहा। अबकी बार बीजेपी ने राज्य की 32 में से 31 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ा था लेकिन उसे एक भी सीट पर जीत नसीब नहीं हो सकीं।

भारतीय जनता पार्टी ने सिक्किम में 31 विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ा, लेकिन वह एक भी सीट नहीं जीत पायी है। बीजेपी के इस खराब प्रदर्शन की वजह एसकेएम और बीजेपी का अलग-अलग चुनाव लड़ना माना जा रहा है। दरअसल केंद्र में बीजेपी को एसकेएम का समर्थन हासिल है, लेकिन इस बार दोनों पार्टियों ने सिक्किम में चुनाव अलग लड़ने का फैसला किया था। एक तरफ पूरे देश में बीजेपी की लहर की बात कही जाती है। वहीं दूसरी ओर सिक्किम में बीजेपी को करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। राज्य के निवर्तमान सदन में उसके 12 सदस्य थे।सिक्कि म विधानसभा के नतीजे रविवार को घोषित किए गए, जिसमें सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) ने 32 में से 31 सीट जीतकर सत्ता बरकरार रखी है. राज्य में इस बार बीजेपी को केवल 5.18 प्रतिशत वोट ही मिल सके। एसकेएम को 58.38 प्रतिशत वोट मिले, जबकि सिक्कि म डेमोक्रेटिक फ्रंट को 27.37 प्रतिशत वोट मिले। इन परिणाम से अंदाजा हो रहा है कि सिक्कि म में बीजेपी का प्रदर्शन कितना खराब रहा। ऐसे में ये सवाल उठता है कि जब बीजेपी ने लोकसभा चुनाव में 400 पार का नारा दिया है, तब सिक्किम में इतना खराब प्रदर्शन क्यों रहा। आइए एक नजर डालते हैं कि सिक्किम में बीजेपी के हार के कुछ प्रमुख कारण क्या रहे।

सिक्किम बीजेपी अध्यक्ष को भी मिली हार

सिक्किम के बीजेपी अध्यक्ष दिली राम थापा अपर बुर्तुक विधानसभा क्षेत्र में एसकेएम उम्मीदवार काला राय से हार गए. मौजूदा विधायक एवं पूर्व मंत्री थापा 2,968 मतों से शिकस्त मिली। जहां राय को 6,723 वोट मिले, वहीं थापा को 3,755 वोट मिले। सिक्किम डेमोक्रटिक फ्रंट के डी बी थापा को 1,623 वोट मिले, जबकि बी के तमांग (सीएपी-ए) को 581 वोट मिले। बीजेपी ने लाचेन मंगन सीट को छोड़कर 31 विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ा और अधिकांश सीट पर बीजेपी के उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। बीजेपी ने मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग के नेतृत्व वाले सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) के साथ अपना गठबंधन तोड़ने के बाद अकेले चुनाव में उतरने का फैसला किया था।

सीट बंटवारे को लेकर बीजेपी-एसकेएम में फंसा था पेंच

भारतीय जनता पार्टी और एसकेएम में सीट बंटवारे पर सहमति नहीं बनी थी। जिसके बाद इस बार दोनों ही पार्टियों ने अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया था। जाहिर सी बात है कि बीजेपी को अकेले चुनाव लड़ने का नुकसान तो हुआ ही है. वहीं निवर्तमान सिक्किम विधानसभा में बीजेपी के 12 विधायक थे, जिनमें से दस विपक्षी सिक्किम डेमोक्रटिक फ्रंट (एसडीएफ) के दलबदलू थे। जबकि दो अन्य ने एसकेएम के साथ गठबंधन में अक्टूबर 2019 में हुए विधानसभा उपचुनाव जीते थे। उन 12 विधायकों में से पांच ने पार्टी छोड़ दी है, जिनमें से तीन एसकेएम में शामिल हो गए हैं और एसकेएम के चिह्न पर विधानसभा चुनाव लड़े। शेष सात बीजेपी विधायकों में से केवल दो को विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए टिकट मिला है। बीजेपी और सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा का गठबंधन चुनाव से पहले ही टूट गया था। जिसके बाद दोनों पार्टियों ने अलग-अलग चुनाव लड़ा। सिक्किम कांतिकारी मोर्चा की इस शानदार जीत के पीछे जिस एक शख्स का योगदान है वो हैं मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग, जो कि सहयोगी दल के रूप में बीजेपी का केंद्र में समर्थन कर रहे हैं। प्रेम सिंह तमांग यूं तो बीजेपी के दोस्त भी माने जाते हैं, लेकिन इस बार उन्हीं की वजह से बीजेपी सिक्किम में जीरो नंबर तक पहुंच गई है। मतलब कोई सीट हासिल नहीं पाई है।

रोचक रहा है प्रेम सिंह तमांग का शिक्षक से राजनेता बनना

प्रेम सिंह तमांग का शिक्षक से राजनेता और फिर मुख्यमंत्री बनने का उनका सफर भी कम रोचक नहीं है। तमांग की पार्टी ने इन चुनावों में 32 सीटों में से 31 पर जीत दर्ज की है। यह आंकड़ा बता रहा है कि विपक्षी दलों और उनके बीच अंतर कितना विशाल है। तमांग अपने राजनीतिक गुरु को हराकर एक बार फिर सिक्कि म की बागडोर संभालने जा रहे हैं। तमांग ने बेटे आदित्य गोले का भी सोरेंग-चाकुंग सीट से टिकट काट दिया था। इस फैसले से भी उन्होंने लोगों के दिलों में अलग जगह बनाई। इस सीट से उन्होंने खुद चुनाव लड़ जीत हासिल की। प्रेम सिंह तमांग ने कहा कि हम बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए का हिस्सा हैं। इस बार हमने राज्य में राजनीतिक परिदृश्य और समीकरणों को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग चुनाव लड़ा। हालांकि, हमारे बीच कोई कड़ा मुकाबला नहीं हुआ, हमने 2019 में भी गठबंधन के रूप में चुनाव नहीं लड़ा था, बीजेपी को हमारा समर्थन केवल केंद्र में है। सिक्किम में 2019 के विधानसभा चुनाव तक भारतीय जनता पार्टी का चुनावी 'ट्रैक रिकॉर्ड बहुत खराब रहा है। बीजेपी ने 1994 में सिक्किम की चुनावी राजनीति में प्रवेश किया था, जब उसने तीन सीट पर चुनाव लड़ा था और तीनों सीट पर उसकी जमानत जब्त हो गई थी।

सिक्किमी पहचान का मुद्दा चुनाव में रहा हावी

इस बार के चुनाव में सिक्किमी पहचान का मुद्दा काफी अहम रहा, इसलिए ये मुद्दा सभी पार्टियों के एजेंडे में भी शामिल रहा। एसकेएम ने राज्यभर में इस बात पर खासा जोर दिया कि इस बार का चुनाव यहां के स्थानीय लोगों की आत्मा की लड़ाई है। ऐसा भी कहा जा रहा है कि एसडीएफ की विभाजनकारी राजनीति लोगों खफा थे और जिसका खामियाजा साल 2019 में उन्हें भुगतना पड़ा। पिछले दिनों राज्य में सिक्किमी लोगों की परिभाषा का विस्तार किया गया था, बताया जा रहा है कि इससे ज्यादातर क्षेत्रीय दलों में नाराजगी चली आ रही थी। दरअसल नई परिभाषा के तहत नए वित्त अधिनियम 2023 में 1975 तक सिक्किम में रहने वाले पुराने निवासियों के वंशजों को शामिल किया गया। जिसमें स्थानीय लेप्चा, भूटिया और नेपाली लोगों से परे सिक्किमी लोगों की परिभाषा का विस्तार हुआ। राज्य में सिक्किमी लोगों की परिभाषा का विस्तार किया गया था, बताया जा रहा है कि इससे ज्यादातर क्षेत्रीय दलों में नाराजगी चली आ रही थी। हालांकि भारतीय जनता पार्टी इस कदम का बचाव किया था. इसके साथ ही पार्टी की तरफ से तर्क दिया गया कि पुराने निवासियों के वंशजों को आयकर में छूट का लाभ पहुंचाने के लिए ये कदम उठाया गया। साथ ही अनुच्छेद 371एफ का मुद्दा सभी चुनावी दलों के फोकस में रहा। एसकेएम और एसडीएफ दोनों ने ही अनुच्छेद 371एफ के संरक्षण को मुख्य मुद्दा बनाया जो सिक्किम के विशेष प्रावधान सुनिश्चित करता है।

क्षेत्रीय दलों के एकला चलो का लाभ मिला बड़े दलों को

एग्जिट पोल की भविष्यवाणी के अनुसार, ओडिशा में लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों का एक बड़ा हिस्सा भाजपा के पास जा सकता है, जबकि नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली बीजू जनता दल (बीजेडी) 6-8 सीटों से संतोष करना पड़ सकता है। एनडीए राज्य की कुल 21 में से 13-15 लोकसभा सीटें सुरक्षित कर सकता है। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए वोटों की गिनती होगी। अधिकांश एग्जिट पोल ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की स्पष्ट जीत की भविष्यवाणी की है। वहीं कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक को लगभग 100-150 सीटें जीतने की उम्मीद है। हालाँकि, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि जो क्षेत्रीय दल इन गठबंधनों में से किसी का हिस्सा नहीं बने, उन्हें नुकसान हो सकता है, जिसके परिणामस्वरूप दोनों गठबंधनों को लाभ होगा। ओडिशा में बीजेपी को फायदा होता दिख रहा है, जबकि बीजेडी को नुकसान हो सकता है। 1 जून को न्यूज 18 मेगा एग्जिट पोल की भविष्यवाणी के अनुसार, ओडिशा में लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों का एक बड़ा हिस्सा भाजपा के पास जा सकता है, जबकि नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली बीजू जनता दल (बीजेडी) 6-8 सीटों से संतोष करना पड़ सकता है। एनडीए राज्य की कुल 21 में से 13-15 लोकसभा सीटें सुरक्षित कर सकता है। यह 2019 के लोकसभा चुनावों से बिल्कुल विपरीत है जब बीजद 12 सीटें जीतकर सबसे आगे थी, जबकि भाजपा ने 8 सीटें हासिल की थीं। 2014 के संसदीय चुनाव में बीजद ने 20 सीटें जीती थीं जबकि भाजपा को 1 सीट हासिल हुई थी। विशेषज्ञों ने अनुमान लगाया कि 2024 में कांग्रेस से संभावित प्रतिस्पर्धा के बावजूद, भाजपा-बीजद गठबंधन ओडिशा की सभी 21 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल कर सकता था।

» क्षत्रपों के सिमटते कुनबे ने राजग-इंडिया गठबंधन को चमकाया

» ओडिशा में बीजेपी को फायदा होता दिख रहा है, बीजेडी को नुकसान

बीआरएस को लग सकता है तेलंगाना में झटका

न्यूज 18 मेगा एग्जिट पोल के अनुसार तेलंगाना की 17 सीटों में से बीजेपी 7-10 सीटों के साथ शीर्ष पर रह सकती है, जबकि कांग्रेस को 5-8 सीटें मिल सकती हैं। भारत राष्ट्रीय समिति (बीआरएस) और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) सहित अन्य को 3-5 सीटें मिल सकती हैं। 2019 के चुनावों में, तेलंगाना राष्ट्र समिति (अब बीआरएस) 17 में से नौ सीटों और 41.71 प्रतिशत वोट शेयर के साथ दक्षिणी राज्य में शीर्ष पर थी। भाजपा को 19.65 प्रतिशत वोट शेयर के साथ चार सीटें मिलीं। 2024 में बीआरएस का वोट शेयर घटकर लगभग 21 प्रतिशत होने की उम्मीद है, जबकि भाजपा का वोट शेयर बढ़कर 37 प्रतिशत हो सकता है। कांग्रेस, जिसने 2019 में तीन सीटें जीतीं, दक्षिणी राज्य में अपने वोट शेयर और सीटों की संख्या में भी वृद्धि देख सकती है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

गर्मी की मार पर बने एक राष्ट्रीय नीति

शरीर जलाती गर्मी के बीच 1 जून को मतगणना समाप्त हो गई। दो दिन बाद चुनाव आयोग ने भी माना की चुनाव अप्रैल में ही संपन्न करवा लेने चाहिए थे। आयोग ने स्वीकार किया भीषण गर्मी में चुनाव करवाने की वजह से वोटिंग की प्रतिशत में कमी आई। उधर गर्मी से पूरे देश से कई हादसों की खबरें भी खूब आईं। इन सबके मद्देनजर अब चर्चा ये होने लगी है की मौसम की इस मार से बचने के लिए सरकार द्वारा एक राष्ट्रीय स्तर की एक नीति का निर्धारण करना चाहिए जो इस तरह की आपदाओं से निपटने में कारगर साबित हो। हर कोई जानता है कि मौसम की मार का असर सबसे ज्यादा उस व्यक्ति को सहना पड़ता है जो अंतिम पायदान पर है। इसलिए उस मानव का जीवन बचाने की ऐसी योजना बनाने की जरूरत है जो कागजों में न हो बल्कि जमीनी स्तर पर दिखाई दे। यह बात सही है कि प्रकृति भेदभाव नहीं करती। इस लिहाज से मौसम की तपिश भी सबके लिए समान है।

इस समय पूरा उत्तर भारत भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। इससे तुरंत किसी तरह की राहत मिलने के भी आसार नहीं दिख रहे। मौसम विभाग ने आने वाले कुछ दिनों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है।जहां तक मतदान के समय गर्मी की बात है तो छठे चरण की इस वोटिंग के दौरान दिल्ली का तापमान 46.9 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से लगभग 7 डिग्री सेल्सियस अधिक था, जिसका असर वोटिंग पर भी दिखा। भीषण गर्मी को देखते हुए मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि दोपहर के 12 बजे से तीन बजे तक घरों में ही रहें। गर्मी से बुरी तरह प्रभावित देश के अन्य हिस्सों में भी इस तरह के कदम उठाए जाने की जरूरत है। लेकिन ऐसा करते हुए इस बात का भी ध्यान रखना जरूरी है कि ऐसे सुझाव या निर्देश आबादी के हर हिस्से के लिए उपयोगी नहीं होते। बड़ी संख्या उन लोगों की होती है, जिन्हें अपना काम खुले में ही करना होता है और वे घर बैठने का जोखिम भी नहीं उठा सकते क्योंकि परिवार के गुजारे के लिए रोज की कमाई जरूरी होती है। जरूरी है कि उन लोगों को राहत देने के लिए जहां तक हो सके जगह-जगह पर छांव और ठंडे पानी की व्यवस्था की जाए। इसके अलावा जिन ऑफिसों में गर्मी से राहत की पर्याप्त व्यवस्था न हो, वहां काम के समय में बदलाव का विकल्प सुनिश्चित करने पर भी गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। खासकर इसलिए कि जैसे आसार दिख रहे हैं यह समस्या न तो सिर्फ इन तीन-चार दिनों की है और न ही इस सीजन की। आने वाले वर्षों में यह और गंभीर ही होती जाएगी। इसलिए नीतिगत स्तर पर भी इससे निपटने के लंबी अवधि के उपायों पर गौर करने की जरूरत है। आने वाली नई सरकार को इस पर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है।

"हर कोई जानता है कि मौसम की मार का असर सबसे ज्यादा उस व्यक्ति को सहना पड़ता है जो अंतिम पायदान पर है। इसलिए उस मानव का जीवन बचाने की ऐसी योजना बनाने की जरूरत है जो कागजों में न हो बल्कि जमीनी स्तर पर दिखाई दे। यह बात सही है कि प्रकृति भेदभाव नहीं करती। इस लिहाज से मौसम की तपिश भी सबके लिए समान है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कारगर योजना ही कर सकेगी तापमान से मुकाबला

दिनेश सी. शर्मा

भारत के उत्तर पश्चिमी, मध्य, हिमालयी अंचल और महाराष्ट्र में इन दिनों झुलसाने वाली ग्रीष्म लहर चल रही है। मंगलवार को हरियाणा के सिरसा और राजस्थान के चुरू में पारा 50 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया। पंजाब, हरियाणा और राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली क्षेत्र के अधिकांश भाग में दिन का तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच जाता है। अनेक सूबों में अस्पतालों में गर्मी संबंधित मामलों में उछाल आया है और कुछ राज्यों में लू लगने से मौतें भी दर्ज हुई हैं। फिल्मी सितारे शाहरुख खान को भी गर्मी से पीड़ित होने के बाद अहमदाबाद के अस्पताल में दाखिल होना पड़ा। स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव के अलावा तीव्र गर्मी का असर अनेकानेक क्षेत्रों की उत्पादकता पर होने लगा है, जिसका आगे अर्थव्यवस्था पर काफी प्रभाव होगा।

महज यह हिदायतें जारी करना कि लोग घर के अंदर बने रहें और पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें, नाकाफी है। तापमान के उछाल को नाथने के लिए हमें बृहद नीति बनाने की जरूरत है, जो आज की तारीख में नदारद है। अलबत्ता तापमान संबंधी सटीक पूर्वानुमान और चेतावनियों के साथ मौसम विभाग का काम प्रशंसनीय है। एक मार्च को इस विभाग ने मार्च से मई की अवधि के लिए तापमान संबंधी अग्रिम पूर्वानुमान जारी किया था। इसमें देश के अधिकांश हिस्सों में तापमान सामान्य से अधिक रहना बताया गया था। एक अप्रैल को जारी किए संशोधित पूर्वानुमान में जून माह तक के लिए सामान्य से अधिक गर्मी रहने का अनुमान वाले अंचलों की इलाकावार जानकारी अधिक तफ्सील से दी गई। इसमें चेतावनी दी गई कि लंबे समय तक खिंचने वाली अत्याधिक गर्मी के सत्र से शरीर में जल की कमी हो सकती है और बुनियादी तंत्र जैसे कि पॉवर ग्रिड और परिवहन व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। इन चुनौतियों का हल निकालने के लिए, यह जरूरी है कि प्रशासन सक्रिय होकर उपाय करे।

राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र द्वारा जारी परामर्श पत्र में एक भाग गर्मी संबंधित रोग पर है, इसमें ध्यान का केंद्र लोगों की भीड़ वाले आयोजन और खेल प्रतियोगिताओं पर है जैसे कि इंडियन प्रीमियर लीग, जो 22 मार्च को शुरू होकर 26 मई को खत्म हुई। इस दौरान सात चरणों वाली लोकसभा चुनावी

प्रक्रिया 19 अप्रैल से 1 जून तक चली है। अत्याधिक गर्मी झेल रहे इलाकों में मतदाताओं की संख्या उम्मीद से कम रही। कुछ मौकों पर चुनाव प्रचार कर रहे प्रत्याशी तीव्र तापमान की वजह से बेहोश भी हुए हैं। बेशक आईपीएल के मैच देर शाम को शुरू होते हैं लेकिन अधिकतर वक्त दर्शक आमतौर पर दोपहर से ही दीर्घा में जमने शुरू हो जाते हैं। इस समय तापमान सबसे ज्यादा उरोज पर होता है और खिलाड़ी भी अभ्यास दिन में करते हैं। बड़ी भीड़ वाले आयोजनों के लिए जारी हिदायतों की भांति शहरों को अपनी ग्रीष्म कार्य योजना बनाकर अमल में लाना चाहिए। इस किस्म की योजनाओं में लू का स्वास्थ्य पर प्रभाव संबंधी सार्वजनिक जागरूकता बनाना, जरूरत बनने पर गर्मी संबंधित रोग से निपटने को पूर्व तैयारी करना शामिल हो। संबंधित तमाम सरकारी एजेंसियों को आपसी तालमेल बनाकर, लोगों में लू लगने की संभावना में कमी लाने संबंधी जागरूकता बनाना एवं निदान उपाय अपनाने का अभियान चलाना चाहिए। छांव देने वाले ढांचे तैयार किए जाने चाहिए। खुले में शारीरिक श्रम करने वाले मजदूरों के काम करने के घंटे इस तरह तय हों ताकि वे तीव्र धूप का शिकार बनने से बचें। केंद्र सरकार के कहने पर भीड़भाड़ वाले आयोजनों के लिए जिस किस्म की निर्देशावली बनी है, वैसी बहुत से शहर और सूबे अपने यहां नहीं कर पाए। जबकि अहमदाबाद का प्रमाण प्रत्यक्ष है, जहां पर 2013 से अपनाई कार्य योजना से तीव्र गर्मी संबंधित मृत्यु दर में कमी आई है। तेलंगाना और ओडिशा ने भी अपनी तापमान कार्ययोजना बना रखी है लेकिन इन योजनाओं का असर इन पर अमल करने की दक्षता पर निर्भर करता है।

यह तथ्य है कि शहरों में गर्मी की तीव्रता स्थानीय कारक जैसे कि जनसंख्या घनत्व, कंक्रीट ढांचों की सघनता, पेड़ों की संख्या में कमी इत्यादि से भी संबंधित है। कई सालों से वैज्ञानिक 'शहरी गर्म टापू' के बारे में कहते आए हैं, जिसमें शहर का एक भाग विशेष अन्य इलाकों की अपेक्षा ज्यादा तप जाता है। इन 'शहरी गर्म टापुओं' के पीछे स्थानीय अवयव जैसे कि हरियाली और तालाबों की कमी, स्थानीय औद्योगिक गतिविधियां, गर्मी सोखने वाले कंक्रीट के भवन, हवा के आरपार निकलने के इंतजाम में कमी और एयर कंडीशनरों से निकली गर्म हवा तापमान बढ़ाती है। मसलन, दिल्ली की घनी आबादी वाला सीताराम बाजार हो या फिर कनाट प्लेस या भीकाजी कामा प्लेस, वहां पारा आसपास के इलाकों से कुछ अधिक ही दर्ज होता है, जिससे कि यह भाग 'शहरी गर्म टापुओं' में तबदील हो जाते हैं।

समावेशी विकास को गति देते हुनरमंद

सतीश सिंह

मौजूदा समय में शिक्षा और कौशल विकास के बीच तालमेल नहीं दिख रहा है। शिक्षा के माध्यम से कौशल का विकास होना चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो पा रहा है। हमारे अकादमिक कल-कारखानों से लाखों की संख्या में डॉक्टर, इंजीनियर, एमबीए आदि की भारी-भरकम डिग्रियां लेकर युवा बाहर निकल रहे हैं, लेकिन उनमें से अधिकांश कौशलयुक्त एवं ज्ञानवान नहीं हैं। ऐसे लोग किसी भी कार्य को कुशलतापूर्वक अंजाम तक नहीं पहुंचा पाते हैं, लेकिन होनहार के लिए रोजगार की कमी नहीं है। तकनीकी एवं व्यावहारिक ज्ञान रखने वाले, भले ही डिग्री एवं अंग्रेजी के मामले में पीछे होते हैं, लेकिन वे हर किस्म की मुश्किलों को आसानी से सुलझा सकते हैं। किसी कार्य को करने के लिए डिग्री से ज्यादा कौशल की जरूरत होती है।

हमारे देश के स्कूल व कॉलेज के अध्यापकों का मानना है कि जो बच्चा लगातार हर परीक्षा में अव्वल आ रहा है, उसी को सिर्फ होनहार माना जा सकता है। इसमें दो मत नहीं है कि स्कूल-कॉलेजों में प्राप्त अच्छे अंक छात्र-छात्राओं की पढ़ाई के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं, किंतु इसका मतलब यह कदापि नहीं है कि हम इसे मेधावी होने या न होने का प्रमाण मानें। किसी विषय में कम या ज्यादा अंक प्राप्त करने से किसी भी छात्र को मेधावी या कमअक्ल नहीं माना जा सकता है। हर विषय में हर छात्र की रुचि का होना जरूरी नहीं है। महान वैज्ञानिक थॉमस अल्वा एडिसन की रुचि केवल भौतिक विज्ञान में थी। महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। लता मंगेशकर की भी गणित या विज्ञान में रुचि नहीं थी। सचिन तेंदुलकर या महेंद्र सिंह धोनी का अकादमिक रिकॉर्ड बहुत ही खराब रहा है, लेकिन वे अपने क्षेत्र में महान हैं। समाज में ऐसे जीनियसों के सैकड़ों उदाहरण हैं। दूसरा पहलू यह है कि परीक्षा के समय में कोई छात्र बीमार हो सकता है या फिर उसकी रुचि पढ़ाई के प्रति गलत संगत के कारण शुरुआती दिनों में नहीं हो सकती है। अक्सर देखा जाता है कि ऐसे छात्र सही वक्त पर मेहनत करके हमेशा जागरूक रहने वाले छात्रों से जीवन की परीक्षा में बाजी मार लेते हैं।

यहां फंडा 'जब जागा तभी सवेरा' वाला काम करता है। जिस छात्र के अंदर जीवन में सफलता हासिल करने की जिजीविषा जाग्रत हो जाती है वह हर कक्षा में तृतीय या द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण होने के बावजूद आईएएस की परीक्षा में शीर्ष 20 या 50 में स्थान बनाने में सफल हो जाते हैं। नौकरी को यदि सफलता का पैमाना नहीं भी मानें तो भी ऐसा कुछ करने के लिए कृत संकल्पित छात्र जीवन की नई ऊंचाइयों को छूने में सफल हो जाता है। फिल्म 'थ्री इडियट्स' में दिखाये गए दर्शन को भी हम नकार नहीं सकते हैं। जरूरी नहीं कि हर बच्चा इंजीनियर या डॉक्टर बने। आज दुनिया में करने के लिए इतने सारे क्षेत्र हैं कि आप किसी बच्चे को कमतर नहीं मान सकते हैं। यह बस आपके दृष्टिकोण पर निर्भर करता है कि आप किसे होनहार मानते हैं। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने वर्ष, 2013 में पहली बार प्रारम्भिक और मुख्य परीक्षा के अंकों को सार्वजनिक किया था, जिसमें 1004 अभ्यर्थी सफल हुए थे और शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले प्रत्याशी ने समग्र रूप 53 प्रतिशत अंक हासिल किये थे, जबकि अंतिम पायदान पर सफल रहने वाले अभ्यर्थी ने लिखित परीक्षा में 30 प्रतिशत अंक प्राप्त किये थे।

पूर्व में यह धारणा थी कि यूपीएससी की परीक्षा में 75 से 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी ही सफल होते हैं। यूपीएससी की बात छोड़ दें तो अभी भी बहुत सारी सरकारी एजेंसियां मसलन, राज्य सेवा आयोग, बैंक, रेलवे, कर्मचारी चयन आयोग आदि सफल उम्मीदवारों के अंकों को सार्वजनिक नहीं करते हैं। एक तरफ दसवीं एवं बारहवीं की परीक्षा में छात्र 100 प्रतिशत नंबर ला रहे हैं, तो दूसरी तरफ यूपीएससी की परीक्षा में एक सामान्य वर्ग का उम्मीदवार लिखित परीक्षा में सिर्फ 30 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अंतिम रूप से चयनित हो जाता है। सवाल का उठना लाजिमी है कि क्या आजकल दसवीं और बारहवीं में 100 प्रतिशत अंक लाने वाले छात्र प्रतियोगी परीक्षा में शामिल नहीं हो रहे हैं या वे शामिल तो हो रहे हैं, पर उनकी होनहारता की धार कुंद पड़ गई है या फिर दसवीं और बारहवीं में दिये जा रहे 100 प्रतिशत अंक का पैमाना गलत है? हालात तो इतने बदतर हैं कि बैंक या अन्य निजी तथा सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों में कर्मचारियों की भर्ती हेतु आयोजित की जाने वाली प्रतियोगी परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी 100 तो छोड़िए 60 प्रतिशत अंक भी स्कोर नहीं कर पाते हैं।

देश में इंजीनियरिंग, मेडिकल, आईटीआई एवं अन्य रोजगारपरक शिक्षा की शुरुआत जरूर की गई है, लेकिन इन पाठ्यक्रमों की सार्थकता नाममात्र की है। यहां से पढ़कर बाहर निकलने के बाद भी अधिकांश युवा कौशलहीन होते हैं, जबकि हुनरमंद युवा देश के समावेशी विकास को सुनिश्चित करने में हमेशा आगे रहते हैं। हुनरमंद बेरोजगार नहीं रहता है। वह आसानी से अपने परिवार का भरण-पोषण कर लेता है। बढ़ई, लोहार, प्लम्बर, बिजली मिस्त्री, राज मिस्त्री, वाहन की मरम्मत करने वाले कारीगर आदि कभी भी भूखे नहीं मरते हैं। ये सरकार को कर भी देते हैं और देश के अर्थ चक्र को गतिमान भी रखते हैं। अस्तु, आज सरकार को डिग्री बांटने की जगह युवाओं को हुनरमंद बनाने पर जोर देना चाहिए। उन्हें योग्यतानुसार रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में अग्रतर कार्रवाई करनी चाहिए, क्योंकि सभी के ज्ञान का स्तर एक समान नहीं होता है, पर निरंतर मेहनत सभी कर सकते हैं। मामले में अंकों की बाजीगरी की तह तक पहुंचने की भी आवश्यकता है। अगर ऐसा होता है तो सरकार और लोग स्वत: कौशल विकास को प्राथमिकता देंगे।

बच्चों के लिए नाश्ते में बनाएं पैनकेक

माताओं के लिए बच्चों के लिए सुबह का नाश्ता तैयार करना काफी मुश्किल काम होता है, क्योंकि समझ ही नहीं आता कि इनके आज क्या ऐसा बनाएं, जो टेस्टी भी हो और हेल्दी भी। पैनकेक रेसिपी बनाना आसान है और यह केवल 15 मिनट में तैयार हो जाती है, इसलिए आपको एक संतोषजनक नाश्ते का आनंद लेने के लिए जल्दी उठने की जरूरत नहीं है। बनाना पैनकेक एक स्वादिष्ट फूड आइटम है, जिसे बच्चों और बड़ों को समान रूप से खूब पसंद किया जाता है. ये एक मिठी डिश है और पोषण मूल्य से भरपूर भी है। पोषक तत्वों से भरपूर केला पोटेशियम, विटामिन सी, विटामिन बी 6 और फाइबर जैसे आवश्यक पोषक तत्वों का एक पावरहाउस हैं।

सामग्री

1 बड़ा आम, 1/2 कप मसला हुआ केला, 1/4 कप ब्लूबेरी, 2 बड़े चम्मच दानेदार चीनी, 1 1/3 कप दूध, 1/2 कप कटे हुए अखरोट, 1 चम्मच ऑलिव ऑयल, 1/4 कप स्ट्रॉबेरी, 1 1/2 कप मैदा, 1 चम्मच बेकिंग पाउडर, 1 अंडा, 1/4 चम्मच नमक, मेपल सिरप।

विधि

आम को छील लें और फिर फल को टुकड़ों में काट लें। स्ट्रॉबेरी और ब्लूबेरी को भी टुकड़ों में काट लें। सभी फलों को अच्छी तरह मिला लें और अलग रख दें। एक कटोरे में आटा, चीनी, बेकिंग पाउडर और नमक को एक साथ मिला लें। दूसरे बाउल में केले को अच्छी तरह मैश कर लें और उसमें दूध, अंडा और कटे हुए अखरोट मिला लें। अब इस मिश्रण में सूखी सामग्री का मिश्रण डालें और अच्छी तरह मिलाएं। अगर मिश्रण ज्यादा गाढ़ा लगे तो थोड़ा सा दूध मिला लें। तवे को मध्यम गरम होने तक गरम करें। इस पर अच्छे से तेल लगाएं। प्रति पैनकेक 1/4 कप का उपयोग करके, पैन पर बैटर डालें। पैनकेक को लगभग 2 मिनट तक पकाएं, फिर इसे पलटें और 1 मिनट तक या सुनहरा होने तक पकाएं। बचे हुए बैटर से ऐसे और पैनकेक बनाएं। पैनकेक को तैयार फ्रूट मेडली के साथ परोसें और चाहें तो उन पर मेपल सिरप या शहद छिड़कें।

गर्मी में लें जामुन आईसक्रीम का मजा

गर्मी का मौसम आ चुका है यानी मार्केट में जल्द ही जामुन बिकने शुरू हो जाएंगे। वैसे तो जामुन खाली खाने में भी बेहद स्वादिष्ट लगता है, लेकिन आप चाहें, तो इसकी आईसक्रीम बनाकर भी खा सकते हैं, जो काफी टेस्टी होता है। आइए जानते हैं जामुन की आईसक्रीम घर पर बनाने की आसान रेसिपी, जो बच्चों को काफी पसंद आएगी।

सामग्री

2 कप काला जामुन, 1/2 कप गाढ़ा दूध, 6 पत्तियां पुदीने की पत्तियां, 1 बड़ा चम्मच मक्के का आटा, 1/2 कप ताजी क्रीम, 1/2 कप चीनी, 2 बड़े चम्मच गुनगुना दूध।

विधि

जामुन को बीज से निकालकर ग्राइंडर में डालें। जामुन की प्यूरी बनाने के लिए ब्लेंड करें। एक बर्तन में ताजी क्रीम, कंडेंस्ड मिल्क और चीनी डालें। मक्के के आटे को गुनगुने दूध में मिलाकर घोल बना लीजिए। घोल को बर्तन में डालें। बर्तन को मध्यम आंच पर रखें और अच्छी तरह मिलाएं ताकि कोई गुठलियां न रह जाएं। अच्छी तरह मिलाएं और इसे कुछ मिनट तक पकने दें जब तक आपको गाढ़ा मिश्रण न मिल जाए। आंच बंद कर दें और मिश्रण को एक एयरटाइट कंटेनर में डालें। इसे ठंडा होने दें और फिर फ्रीजर में रख दें। इसे 2 घंटे तक जमने दें। एक बार पूरी तरह से सेट हो जाने पर, पुदीने की पत्तियों से सजाएं, निकालें और परोसें।

हंसना मना है

अध्यापक- ताजमहल किसने बनाया? संता - जी, कारीगर ने! अध्यापक- मेरा मतलब, बनवाया किसने था? संता-जी, ठेकेदार ने, अध्यापक बेहोश।

टीचर- इस मुहावरे को वाक्य में प्रयोग करके बताओ- मुंह में पानी आना, छात्र- जैसे ही मैंने नल की टोंटी से मुंह लगाकर नल चालू किया, मेरे मुंह में पानी आ गया, टीचर- गेट आउट।

बबलू -तू स्कूल क्यों नहीं जाता, पप्पू- कई बार गया अंकल पर वो वापिस भगा देते है, बबलू -क्यों? पप्पू- कहते है भाग तेरा क्या काम लड़कियों के स्कूल में।

टीचर- कल होमवर्क नही किया तो मुर्गा बनाऊंगा। छात्र- सर मुर्गा तो मैं नहीं खाता, मटर पनीर बना लेना।

विज्ञान के टीचर ने छात्र से पूछा, एलोवीरा क्या होता है? संता सिंह: जब एक पंजाबी व्हिस्की का पैग अपने बड़े भाई को देता है, तो कहता है ऐ लो वीरा?

कहानी — सत्य का साथ

स्वामी विवेकानंद बचपन से ही बुद्धिमान छात्र थे। उनके तेज दिमाग और प्रभावशाली बातों की वजह से सभी उनकी तरफ खींचे चले जाते थे। एक दिन स्कूल में भी स्वामी विवेकानंद अपने दोस्तों से बातें कर रहे थे। बातों-ही-बातों में स्वामी उन सबको एक कहानी सुनाने लगे। उनके दोस्तों को कहानी अच्छी लग रही थी, इसलिए सभी ध्यान से सुन रहे थे। विवेकानंद कहानी सुनाने में और उनके दोस्त उसे सुनने में इतना खो गए कि किसी को पता ही नहीं चला कि कब मास्टर जी क्लास में आ गए। मास्टर जी ने क्लास में आते ही बच्चों को पढ़ाना शुरू कर दिया। आगे बैठे बच्चे उन्हें ध्यान से सुन रहे थे कि कुछ ही देर में मास्टर जी के कानों तक विवेकानंद की हल्की आवाज पहुंची। उन्होंने ऊंची आवाज में पूछा कि कक्षा में कौन बातें कर रहा है? वहां मौजूद अन्य छात्रों ने विवेकानंद और उनके दोस्तों की ओर इशारा कर दिया। यह जानकर टीचर को गुस्सा आया। उन्होंने उन सभी को अपने पास बुलाया और पूछा कि मैं अभी क्या पढ़ा रहा था? कुछ सेकंड तक किसी से कोई जवाब न मिलने पर उन्होंने हर बच्चे की तरफ देखते हुए सवाल पूछा। सबने अपनी नजरें झुका ली। तभी टीचर विवेकानंद के पास पहुंचे और कहा कि क्या तुम्हें पता है, मैं क्या पढ़ा रहा था? उन्होंने मास्टर को सही जवाब दे दिया। तब टीचर को लगा कि इन सब बच्चों में से सिर्फ विवेकानंद ही ध्यान से पढ़ रहे थे, दूसरे बच्चे नहीं। यह सोचते ही मास्टर ने स्वामी के अलावा अन्य छात्रों को अपने-अपने बेंच पर खड़े होने की सजा दे दी। सभी ने टीचर की बात मान ली और बेंच पर खड़े हो गए। कुछ ही देर में स्वामी विवेकानंद भी अपनी सीट में जाकर बेंच पर खड़े हो गए। स्वामी को बेंच पर खड़ा देखकर मास्टर ने कहा कि मैंने तुम्हें सजा नहीं दी है तुम बैठ जाओ। नजर झुकाते हुए विवेकानंद ने कहा, सर, मैंने ही इन सभी छात्रों को बातों में लगा रखा था। गलती मेरी ही है। सजा न मिलने पर भी स्वामी विवेकानंद द्वारा सच बोलने पर सभी छात्र काफी प्रभावित हुए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज रुका धन मिलेगा। मन की चंचलता पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी। जीवनसाथी पर आपसी मेहरबानी रहेगी।

वृषभ स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त से बड़ा लाभ हो सकता है। प्रतिद्वंद्विता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग समय पर मिलने से प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन पार्टी व पिकनिक की योजना बनेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे।

कर्क घर-बाहर अशांति रहेगी। कार्य में रुकावट होगी। आय में कमी तथा नौकरी में कार्यभार रहेगा। बेवजह लोगों से कहासुनी हो सकती है। व्यवसाय से संतुष्टि नहीं रहेगी।

सिंह प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्य की समस्याएं दूर होंगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। कर्ज में कमी होगी। संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कन्या दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। व्यवसाय में जल्दबाजी से काम न करें। चोट व दुर्घटना से बचें।

तुला उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। भाग्य का साथ मिलेगा।

वृश्चिक अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था नहीं होने से परेशानी रहेगी। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं।

धनु अज्ञात भय व चिंता रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। बगैर मांगे किसी को सलाह न दें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। नौकरी में वर्चस्व स्थापित होगा।

कुम्भ रुका धन मिलेगा। पूजा-पाठ व सत्संग में मन लगेगा। आत्मशांति रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

मीन क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। पुराना रोग बाधा का कारण रहेगा। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें।

रवीना टंडन के समर्थन में उतरीं कंगना रनौत

रवीना टंडन के साथ हाल ही में घटी घटना ने सबका ध्यान खिंच लिया है। एक्ट्रेस से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। कुछ लोग उनके साथ गलत व्यवहार करते नजर आ रहे हैं। कुछ महिलाओं ने रवीना पर हमला करने का भी आरोप लगाया है। हालांकि इन आरोपों में कोई सच्चाई नहीं है। पुलिस ने मामले कि जांच कर ये साफ कर दिया है कि रवीना पर लगे ये सारे आरोप झूठे हैं। इस सब के बीच कंगना रनौत ने इस घटना पर अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की है।

कंगना रनौत को अक्सर इंडस्ट्री या सामाजिक मुद्दों पर रिएक्शन देते देखा गया है। इसी वजह से वो सुर्खियों में भी रहती हैं। इस बार भी रवीना टंडन के मामले में कंगना ने अपना रिएक्शन दिया है। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट शेयर किया है। कंगना रनौत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, रवीना टंडन जी के साथ जो कुछ भी हुआ वो चिंताजनक है। अगर अपोजिट ग्रुप में 5-6 और लोग होते तो वो लिंच हो चुकी होती और हम इस तरह के रोड रेज की निंदा करते हैं। उन लोगों को फटकार लगाई जानी चाहिए। उन्हें इस तरह के हिंसक और जहरीले व्यवहार से बचना नहीं चाहिए।

शनिवार की रात को रवीना टंडन और उनके ड्राइवर की बांद्रा में कुछ महिलाओं से बहस हो गई। बाद में महिला ने एक्ट्रेस के खिलाफ नशे की धुत में गाड़ी चढ़ाने का आरोप लगाया। इस मामले में मुंबई पुलिस ने मीडिया के साथ बातचीत में बताया कि गाड़ी पीछे करने पर रवीना और उनके ड्राइवर की महिला से बहस हुई थी। बात गाली-गलौज तक पहुंच गई थी। पुलिस ने बताया कि रवीना नशे में नहीं थीं। पुलिस ने कहा था कि रवीना भी केस करने गई थीं, लेकिन बाद में उन्होंने यह करने से मना कर दिया था।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरे साथ नाइट क्लब में हुई थी छेड़छाड़ : संजीदा शेख

हीरामंडी में वहीदा के किरदार में नजर आ रहीं एक्ट्रेस संजीदा शेख इस वक्त लाइमलाइट में बनीं हुई हैं। सीरीज को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। वहीं इस सब के बीच एक्ट्रेस ने एक हैरान करने वाली घटना के बारे में बताया है जो उनके साथ नाइट क्लब घटी थी। संजीदा शेख ने बताया कि एक नाइट क्लब में उनके साथ छेड़छाड़ हुई थी। ये छेड़छाड़ किसी आदमी ने नहीं बल्कि एक महिला ने की थी। मीडिया के साथ बातचीत में एक्ट्रेस ने अपने साथ हुई छेड़छाड़ के बारे में बताया। एक्ट्रेस ने कहा, मुझे एक घटना याद है जो एक लड़की ने की थी। मैं एक नाइट क्लब में गई थी जहां मेरे पास से एक लड़की गुजरी और उसने मेरे शरीर को गलत तरीके से छुआ। मैं हैरान रह गई क्योंकि मैंने सुना था कि मेल ही गलत बिहेव करते हैं लेकिन लड़कियां भी किसी से कम नहीं होती हैं। एक्ट्रेस ने आगे कहा, इसका पुरुषों या महिलाओं से कोई लेना-देना नहीं है, दो गलत है वो गलत है। अगर किसी फीमेल ने आपके साथ कुछ गलत किया है तो उसे खुलकर बताएं क्योंकि मुझे ऐसा लगता है कि विक्टिम कार्ड कभी भी सहीं नहीं होता है। संजीदा शेख इस समय सिंगल मदर के तौर पर अपनी बेटी की परवरिश कर रही हैं। साल 2012 में संजीदा शेख ने एक्टर आमिर अली के साथ शादी की थी लेकिन साल 2022 में दोनों ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया। सरोगसी से संजीदा और आमिर माता-पिता बने थे जिसकी परवरिश दोनों साथ करते हैं लेकिन बेटी संजीदा के पास ही रहती है।

लगातार हो रही ट्रोलिंग पर बोलीं शर्मिन सेगल

आडियंस किंग हैं उनका आदेश स्वीकार करना जरूरी

संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी रिलीज के बाद से सुर्खियों में है। सीरीज के रिलीज के महीने भर बाद भी कलाकारों के अभिनय चर्चा का विषय बना हुआ है। हीरामंडी में कई कलाकारों की एक्टिंग की खूब तारीफ हो रही है तो कुछ को बुरी तरह से ट्रोल किया जा रहा है। शर्मिन सेगल को आलमजेब के किरदार के लिए सबसे ज्यादा ट्रोल किया गया। अब एक्ट्रेस ने ट्रोलिंग पर पहली बार चुप्पी तोड़ी है।

शर्मिन सेगल ने बताया कि वो ट्रोलिंग से परेशान हो गईं थीं। एक्ट्रेस ने मीडिया के साथ बातचीत में कहा, आखिर में ऑडियन्स किंग है और क्रिएटिव इंसान होने के नाते इसे स्वीकार करना बहुत जरुरी है। उनका ओपिनियन का हक है। चाहे वो पॉजिटिव हो या नेगेटिव। यही एक चीज है जो मुझे पर्सपेक्टिव देती है और मुझे ठीक रहने की अनुमति देती है।

बता दें कि शर्मिन को एक्सप्रेशनलेस होने की वजह से ट्रोल किया जा रहा है। उनके पोस्ट पर इतनी नेगेटिविटी हो रही थी कि उन्होंने कमेंट सेक्शन ऑफ कर दिया था। शर्मिन ने आगे कहा, मैंने आलमजेब के किरदार को अपना सबकुछ दिया था। हम नेगेटिव बातों पर फोकस करते हैं लेकिन साथ ही बहुत सारी पॉजिटिव बातें भी हैं, जिनके बारे में हम बात नहीं करते। शायद पॉजिटिव बातों के बारे में बात करना उतना दिलचस्प नहीं है और हम कुछ हद तक उन्हें अनदेखा कर देते हैं। हीरामंडी की आलमजेब ने बताया कि ट्रोलिंग के बाद उन्होंने इस किरदार से होने वाली सभी बातचीत से दूर रहने का फैसला किया, लेकिन अब कुछ हफ्ते पहले उन्होंने सब कुछ पढ़ने का फैसला किया है। एक्ट्रेस ने ये भी कहा कि एक समय था जब मैं इन चीजों से दूर थी और इस पर ध्यान नहीं दे रही थी।

800 साल पुराने ऐतिहासिक छेद की सच्चाई जानकर उड़े लोगों के होश

दुनियाभर के तमाम देशों में कई ऐसी ऐतिहासिक धरोहरें हैं, जो अपने अनोखे कंस्ट्रक्शन की वजह से मशहूर हैं। इसे देखने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं। लेकिन कुछ जगहें ऐसी हैं, जो गलत कारणों से मशहूर हो जाती हैं। ऐसी ही एक चीज यूनाइटेड किंगडम में मौजूद है, जिसका नाम हाईब्रिज लिंकन है। इसकी चर्चा आज से नहीं, बल्कि लगभग साढ़े 8 सौ सालों से है। बताया जाता है कि इसका निर्माण सन् 1160 में हुआ था, जिसमें एक बड़ा सा छेद है। लोग इस ब्रीज के पास इसी छेद को देखने के लिए आते थे। लेकिन हाल ही में इसकी सच्चाई सामने आ गई, जिसके बाद से लोग खुद को ठगा-ठगा महसूस कर रहे हैं। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, लिंकन के मशहूर हाई ब्रिज का निर्माण मध्यकालीन युग में हुआ था, जिसे ब्रिटेन के सबसे पुराने कंस्ट्रक्शन में से एक माना जाता है। हालांकि, ये ब्रिज अपनी ऐतिहासिकता से कम, जबकि अंदर मौजूद एक बड़े से छेद के कारण ज्यादा मशहूर हो गया। इसे दुनिया में सबसे सुनहरे इतिहास वाला छेद कहा जाता था। लेकिन अब इस सुनहरे होल पर सवाल उठने लगे हैं। लोगों के मुताबिक, ये बेवजह मशहूर हो गया, जबकि किसी आम ब्रिज में बनाया जाने वाला क्रॉसिंग होल है। इसका कोई इतिहास नहीं है। इसे घूमने गए एक टूरिस्ट ने सोशल मीडिया पर सबसे पहले इस ब्रिज की फोटो को शेयर किया और लिखा कि मुझे ऐसा लगता है कि बेवजह ये छेद इतना मशहूर हो गया। उसने आगे बताया कि ग्लोरी होल ये ऐसे छेद होते हैं जिनका एक इतिहास होता है, जिनका इस्तेमाल किसी खास मकसद से किया गया होता है। लेकिन ब्रिटेन के हाई ब्रिज का इतिहास कुछ खास नहीं है। इस हाई ब्रिज के ऊपर कुछ दुकानें बनी हैं। नाव से इस छेद से क्रॉस करने पर कुछ खास नजारा भी नहीं दिखता और ना इसके अंदर कोई सीक्रेट दरवाजा ही है। बता दें कि विथम नदी के ऊपर बना यह ब्रिज ब्रिटेन के सबसे पुराने पुलों में शुमार है, लेकिन इसका इस्तेमाल कभी किसी ऐतिहासिक मकसद से नहीं हुआ। हालांकि, इस ब्रिज में मौजूद छेद की वजह से यह लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा है। जबसे इसकी तस्वीरें वायरल हुई तबसे दूर-दूर से देखने वाले वाले लोग इसके अंदर जाकर ठगा सा महसूस करते हैं। एक शख्स ने लिखा कि दूर से देखने पर ही ये सिर्फ खूबसूरत लगता है। अंदर जाने पर आपको कुछ खास नहीं मिलेगा। लेकिन तस्वीरें वायरल होने के बावजूद लोग यहां घूमने आते हैं।

अजब-गजब | राजस्थान के बागड़ी माली का यह परिवार है या जिला!

इस परिवार में रहते हैं 185 लोग रोज बनती है 50 किलो सब्जी

भारत में संयुक्त परिवार का चलन काफी पुराना है। लंबे समय से यहां कई पीढ़ियां साथ रहती आई है। संयुक्त परिवार में रहने के कई फायदे होते हैं। यहां आपको कभी अकेलापन महसूस नहीं होगा। लेकिन इसकी कुछ खामियां भी हैं। कहते हैं ना कि जहां चार बर्तन रहते हैं वहां आवाज आती है। संयुक्त परिवार में कई बार झगड़े होते हैं। लेकिन पहले लोग इन झगड़ों के बाद भी साथ ही रहते थे।

लेकिन अब एकल परिवार का जमाना आ गया है। लोग अब अपने पार्टनर और बच्चों के साथ अलग रहना पसंद करते हैं। लेकिन कुछ ऐसी फैमिलीज हैं, जो आज भी साथ रहती है। ऐसी ही एक फैमिली अजमेर में रहती है। राजस्थान के बागड़ी माली परिवार को ज्यादातर लोग जानते हैं। इस परिवार को ये नाम और शोहरत परिवार के सदस्यों की संख्या की वजह से मिली है। इस परिवार में कुल 185 लोग रहते हैं।

इस परिवार में 185 लोग हैं। अब चूंकि इतना बड़ा परिवार है, तो घर की रसोई भी बड़ी ही होगी। सोशल मीडिया पर इस घर की रसोई का एक वीडियो शेयर किया गया। इसमें एक साथ कई चूल्हे नजर आए। घर की महिलाएं अपना ज्यादातर समय यही बिताती हैं।

घर की रसोई में कुल ग्यारह चूल्हे हैं, जिसपर दिन भर खाना बनता रहता है। बताया जाता है कि इस परिवार में डेली 65 किलो आटे की रोटियां बनती है। साथ ही करीब पचास किलो सब्जी हर दिन पकाई जाती है।

इस संयुक्त परिवार में छह पीढ़ियां साथ रहती हैं। ये अजमेर के रामसर गांव में रहते हैं। इन्हें बागड़ी माली परिवार के नाम से भी जाना जाता है। संयुक्त परिवार में 65 पुरुष, 60 महिलायें और कुल 60 बच्चे हैं। सभी के बीच बेहद प्यार है। लोग इस परिवार के लगाव की मिसाल देते हैं। सोशल मीडिया पार्ट भी लोग इस परिवार पर प्यार लुटाते दिखे। कई लोगों ने लिखा कि आज के समय में चार लोगों के परिवार में ही महाभारत हो जाती है। ऐसे में छह पीढ़ियां साथ लेकर चलना काफी बढ़ी बात है।

अडानी समूह ने भारत का पहला सह-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड बाजार में उतारा

कार्ड से उपभोक्ताओं को मिलेगा लाभ

» उपभोक्ताओं को आईसीआईसीआई बैंक-वीजा के सहयोग से हवाई अड्डे पर देगा लाभ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। अडानी वन और आईसीआईसीआई बैंक ने वीजा के सहयोग से हवाई अड्डे से जुड़े लाभों के साथ भारत का पहला सह-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड लॉन्च किया। दो वेरिएंट में उपलब्ध - अडानी वन आईसीआईसीआई बैंक सिग्नेचर क्रेडिट कार्ड और अडानी वन आईसीआईसीआई बैंक प्लैटिनम क्रेडिट कार्ड - ये कार्ड पर्याप्त इनाम कार्यक्रम प्रदान करते हैं।

कार्ड अडानी वन ऐप जैसे अडानी समूह के उपभोक्ता पारिस्थितिकी तंत्र में खर्च करने पर 7 प्रतिशत तक अडानी रिवॉर्ड पॉइंट की पेशकश करते हैं, जहां उपयोगकर्ता उड़ान, होटल, ट्रेन, बस और कैब बुक कर सकता है। अडानी द्वारा प्रबंधित हवाई अड्डे, सीएनजी पंप, बिजली बिल और ट्रेनमैन, एक ऑनलाइन ट्रेन बुकिंग प्लेटफॉर्म। पुरस्कार अनकैप्ड हैं। कार्ड में मुफ्त हवाई टिकट और प्रीमियम लाउंज एक्सेस, प्रणाम मीट एंड ग्रीट सर्विस, पोर्टर, वॉलेट और प्रीमियम कार पार्किंग जैसे हवाई अड्डे के विशेषाधिकार जैसे स्वागत योग्य लाभ हैं। कार्ड उपयोगकर्ताओं को ड्यूटी-फ्री आउटलेट्स पर खरीदारी और हवाई अड्डों पर खाद्य और पेय पदार्थों के खर्च पर छूट जैसे विशेषाधिकार भी मिलते हैं, और किराने का सामान, उपयोगिताओं और अंतरराष्ट्रीय खर्चों पर मुफ्त मूवी टिकट और अदानी रिवॉर्ड पॉइंट जैसे लाभ भी मिलते हैं। अडानी वन आईसीआईसीआई बैंक सिग्नेचर क्रेडिट कार्ड का वार्षिक शुल्क 5,000 मूल्य के ज्वाइनिंग बेनिफिट्स के साथ? 9,000, जबकि अडानी वन आईसीआईसीआई बैंक प्लैटिनम क्रेडिट कार्ड का वार्षिक शुल्क है? 750 मूल्य के ज्वाइनिंग बेनिफिट्स के साथ? 5,000 में मिलेगा।

ग्राहकों को एक सहज तरीके से समग्र समाधान प्रदान करने की योजना: राकेश झा

आईसीआईसीआई बैंक के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, राकेश झा ने कहा कि हम मानते हैं कि कस्टमर 360 पर हमारा फोकस, हमारे डिजिटल प्रोडक्ट्स, प्रक्रियाओं में सुधार और सेवा वितरण के समर्थन से हमें ग्राहकों को एक सहज तरीके से समग्र समाधान प्रदान करने और प्रमुख क्षेत्रों में बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने में सक्षम बनाता है। अडानी वन और वीज़ा के साथ को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड का लॉंच इसी दर्शन के साथ जुड़ा हुआ है। इसलॉन्च के ज़रिए, हमारा इरादा अपने ग्राहकों को अडानी समूह के पूरे उपभोक्ता जाल में (एयरपोर्ट, बिजली केबिल, ऑनलाइन शॉपिंग आदि) कई तरह के रिवाईस और फायदे देना है। साथ ही, बैंक के क्रेडिट कार्ड कारोबार को और मजबूत बनाना है। वीजा इंडिया और दक्षिण एशिया के ग्रुप कंट्री मैनेजर संदीप घोष ने कहा, कि ऑनलाइन और ऑफलाइन, उनकी सुविधा और यात्रा अनुभव को बेहतर बनाते हुए हम भविष्य में ऐसी कई और पेशकशों को सक्षम करने के लिए तत्पर हैं।

ये साझेदारी कस्टमर एक्सपीरियंस में एक नया बेंचमार्क स्थापित करेगी : जीत अडानी

अडाणी ग्रुप के डायरेक्टर,जीत अडानी ने कहा कि आईसीआईसीआई बैंक और वीजा के साथ ये अनूठी साझेदारी कस्टमर एक्सपीरियंस में एक नया बेंचमार्क स्थापित करेगी और इनोवेशन के साथ एक्सीलेंस के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करेगी। अडाणी वन आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड एक आसान डिजिटलइ को सिस्टम का रास्ता है। अडानी वन प्लेटफॉर्म का लाभ उठाकर, जो भौतिक व्यापारों को डिजिटल दुनिया में एकीकृत करता है, यूजर्स को अद्वितीय सुविधा और पहुंचका अनुभव मिलेगा।

भाजपा के कहने पर मंत्री को नहीं हटाऊंगा : सिद्धारमैया

» बोले- एसआईटी की रिपोर्ट के आधार पर कोई फैसला किया जाएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि उन्होंने मंत्री बी. नागेंद्र का इस्तीफा नहीं मांगा है तथा इस संबंध में विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट के आधार पर कोई फैसला किया जाएगा। नागेंद्र एक सरकारी निगम से अवैध तरीके से धन स्थानांतरण के आरोपों का सामना कर रहे हैं। सिद्धारमैया ने विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर भी सवाल उठाते हुए पूछा कि अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री नागेंद्र को पद से हटाने के लिए सरकार कीसमय सीमा तय करने वाले वे कौन होते हैं।

भाजपा ने सरकार को छह जून तक नागेंद्र का इस्तीफा लेने और ऐसा न करने पर राज्यभर में प्रदर्शन करने की धमकी दी है। भाजपा ने कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड से जुड़े कथित अवैध धन हस्तांतरण मामले की सीबीआई जांच और नागेंद्र को मंत्री पद से तत्काल बर्खास्त करने की मांग की है। मुख्यमंत्री ने कहा, मैंने (नागेंद्र का) इस्तीफा नहीं मांगा है... एसआईटी की रिपोर्ट अभी नहीं आई है, इसे कुछ दिन पहले ही गठित किया गया है। देखते हैं कि वे अपनी रिपोर्ट में क्या देते हैं।

राजधानी में थम नहीं रही सीवर चोक की समस्या

» जोन-1 में सड़कों पर बह रहा सीवर का पानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के जोन एक लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। स्मार्ट सिटी के नाम पर जोन-1 में फिर मनमानी हो रही है। वहां पर जनता सीवर की समस्या से लगातार परेशान है। भीषण गर्मी में भी जोन1 की सीवर की व्यवस्था नहीं संभाल रही है। उधर जलकल विभाग के जिम्मेदार लोग मौन बने हुए हैं। इन समस्याओं को लेकर पार्षद रेशु व पार्षद कामरान बेग ने गंभीर सवाल उठाये है। जोन1 के अंतर्गत हरतगंज, लालबाग, नजर बाग ,नया गांव मॉडल हाउस सब्जी मंडी जैसे पॉश इलाके आते है।

सीवर सफाई के नाम पर करोड़ो का भुगतान होने के बाद भी समस्यायें खत्म नहीं हो रहे हैं। लोगों को कहना है आखिर भुगतान लेने के बाद भी काम क्यो नही होता। उधर जलकल विभाग सीवर का टैक्स न जमा होने पर जनता पर जो तेजी से कार्रवाई करता है पर अपने कर्तव्य से पीछे हट जाता है। वहीं सीवर चोक होने पर अधिकारी मौन साधे हुए हैं। इस तरह की समस्याएं कोई एक जोन में ही नहीं है। कमोवेश राजधानी के इलाकों में नगर निगम की लापरवाही देखने को मिलती है। समस्याओं को लेकर कई बार जनता भी धरना प्रदर्शन कर चुकी है।

करोड़ों खर्च होने के बाद सीवर चोक

पार्षदों ने भी उठाए सवाल

उधर पार्षदों का कहना तारीख पर तारीख मिलती है सीवर का काम नही हो पाता है। पार्षदों का कहना नाराज जनता हमारे घर आकर विरोध जताती है। अब अधिकारी अगर जन प्रतिनिधि की बात भी नही सुन रहे है। सीवर का पानी अब तो सड़को पर बहने लगा है। मंदिर मस्जिद जाने वालों को बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहां के पार्षद ने कहा है कि अब तो लोगो को घरों में पीने के पानी मे सीवर का पानी आने लगा है। जनता की समस्या की शिकायतों की संख्या बढ़ रही निदान नही हो रहा है।

फजलहक फारूकी के पंजे में आया युगांडा

» टी20 विश्व कप अफगानिस्तान ने 125 रनों के बड़े अंतर से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रोविडेंस। तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी के पांच विकेट और रहमानुल्लाह गुरबाज तथा इब्राहिम जदरान के बीच पहले विकेट की शतकीय साझेदारी की मदद से अफगानिस्तान ने टी20 विश्व कप के पहले मैच में युगांडा को 125 रन से हराया। कोलकाता नाइट राइडर्स के सलामी बल्लेबाज गुरबाज ने 45 गेंद में 76 रन बनाये जबकि जदरान ने 46 गेंद में 70 रन की पारी खेली।

दोनों ने पुरूषों के टी20 विश्व कप में पहले विकेट के लिये सर्वोच्च 154 रन की साझेदारी की जिसकी मदद से अफगानिस्तान ने पांच विकेट पर 183 रन बनाये। बायें हाथ के तेज गेंदबाज फारूकी ने चार ओवर में नौ रन देकर पांच विकेट लिये। विश्व कप में पहली बार उतरी युगांडा की टीम 16 ओवर में 58 रन पर आउट हो गई। फारूकी दो बार हैट्रिक लेने के करीब पहुंचे थे। पहली गेंद पर चौका पड़ने के बाद उन्होंने बेहतरीन इनस्विंगर पर रौनक पटेल को आउट किया। इसके बाद रोजर मुकासा पगबाधा आउट हो गए। आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के लिये खेल चुके फारूकी ने 13वें ओवर में तीन और विकेट लेकर टी20 क्रिकेट में कैरियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्होंने रियाजत अली शाह को बोल्ड किया और युगांडा के कप्तान ब्रायन मसाबा को गुरबाज के हाथों लपकवाया।

द. अफ्रीका ने श्रीलंका को छह विकेट से हराया

टी20 विश्व कप 2024 के चौथे मैच में दक्षिण अफ्रीका ने श्रीलंका को छह विकेट से हरा दिया है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंकाई टीम 19.1 ओवर में 77 रन पर सिमट गई थी। जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने 16.2 ओवर में चार विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। श्रीलंका की ओर से सबसे ज्यादा रन कुसल मेंडिस ने बनाए। उन्होंने 19 रन बनाए, जबकि एंजलो मैथ्यूज़ 16 रन बना सके। जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने 16.2 ओवर में चार विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

प्रधानमंत्री पद की दावेदारी से अपना नाम हटा लें मोदी : अशोक गहलोत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को कहा कि आम चुनाव में न तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 370 सीट मिल पाएंगी और न ही राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 400 सीट मिलेंगी ऐसे में नरेन्द्र मोदी को अब प्रधानमंत्री पद की दावेदारी से अपना नाम हटा लेना चाहिए।

मोदी की गारंटी को जनता ने नकारा

मतगणना के रुझानों के बीच गहलोत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि अब यह स्पष्ट हो गया है कि न तो भाजपा को 370 सीट मिल पाएंगी और न ही राजग को 400 सीट मिलेंगी। प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर भाजपा को स्पष्ट बहुमत भी नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में नरेन्द्र मोदी को अपना नाम अब प्रधानमंत्री पद की दावेदारी से हटा लेना चाहिए।'' गहलोत के कहा, ''वर्ष 2024 का लोकसभा चुनाव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरी तरह अपने ऊपर केन्द्रित किया। प्रचार में मोदी की गारंटी, फिर से मोदी सरकार जैसे जुमले सुनाई और दिखाई दिए। यहां तक की प्रत्याशियों को दरकिनार कर पूरा चुनाव मोदी की गारंटी के नाम पर चला। उन्होंने कहा कि चुनाव में महंगाई, बेरोजगारी, समाज में बढ़ता तनाव जैसे मुद्दे गौण हो गए और केवल मोदी-मोदी ही सुनाई देने लगा।

फोटो: सुमित कुमार

लखनऊ(4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। लखनऊ के रमाबाई अंबेडकर मैदान को मतगणना केंद्र बनाया गया है। जहां सुबह से ही मतगणना चल रही है। प्रशासन ने सुरक्षा-व्यवस्था पूरी तरह से मुस्तैद कर रखी है। इस दौरान सपा प्रत्याशी रविदास मेहरोत्रा मतगणना स्थल पर अपने लोगों के बीच पहुंचे।

नवीन पटनायक व जगनमोहन को लग सकता है झटका!

» ओडिशा में रुझानों में भाजपा को बहुमत

» नवीन पटनायक की सत्ता खतरे में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भुवनेश्वर। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे आज आने वाले हैं। इसके साथ ही ओडिशा विधानसभा चुनाव के नतीजे भी आएंगे। इस राज्य में भाजपा और एनडीए के लिए अच्छी खबर आ सकती है। सभी प्रमुख एग्जिट पोल में एनडीए को बढ़त दिखाई गई है। ओडिशा में भाजपा को विधानसभा सीटों में भी फायदा मिलता दिख रहा है। अगर एग्जिट पोल के अनुमान नतीजों में बदल जाते हैं तो शायद ओडिशा से नवीन पटनायक सरकार की विदाई भी हो सकती है।

शुरुआती रुझानों में भाजपा को बहुमत मिला है। उसके खाते में 78 सीटें गई हैं। वहीं, बीजद भी 54 सीटों पर आगे है। जबकि कांग्रेस के खाते में 11 सीट गई हैं। वहीं अन्य को तीन सीटें मिली हैं। 2024 के ओडिशा विधानसभा चुनावों में बीजद की तरफ से नवीन पटनायक एक बार चुनावी मैदान में हैं तो दूसरी तरफ भाजपा ने बिना किसी क्षेत्रीय चेहरे के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता के भरोसे यह चुनाव लड़ा। ओडिशा विधानसभा की 147 सीट और लोकसभा की 21 सीटों के लिए 13 मई से 1 जून तक चार चरणों में मतदान हुआ और नतीजे आज आएंगे। ओडिशा में भाजपा को लोकसभा और विधानसभा दोनों में ही बड़ा फायदा होता दिख रहा है। लोकसभा चुनाव में इंडिया टूडे एक्सिस एग्जिट पोल का अनुमान है कि भाजपा को विधानसभा चुनाव में 62-80 सीटें मिल सकती हैं, जबकि बीजद को भी 62-80 सीटें मिलने का अनुमान है। वहीं, कांग्रेस के खाते में पांच से आठ सीटें जाने की संभावना है। बता दें कि ओडिशा विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 74 सीटों का है।

2019 के विधानसभा चुनावों में बीजद को 112 सीटें मिली थीं। जबकि भाजपा को 23 सीटें, कांग्रेस को नौ, सीपीआई एम को एक और एक सीट निर्दलीय के खाते में गई थी। इस चुनाव में बीजद को करीब 45 फीसदी वोट मिले थे। जबकि भाजपा को करीब 33 फीसदी वोट मिले थे। कांग्रेस के खाते में 16 फीसदी वोट और अन्य को 6 फीसदी वोट मिले थे।

आंध्र प्रदेश में रुझानों में टीडीपी को बढ़त, सीएम जगन को लगा बड़ा झटका

अमरावती। आज आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव के नतीजे भी आएंगे। इस राज्य में भाजपा और एनडीए के लिए अच्छी खबर आ सकती है। सभी प्रमुख एग्जिट पोल में एनडीए को बढ़त दिखाई गई है। अगर एग्जिट पोल के अनुमान नतीजों में बदल जाते हैं तो आंध्र प्रदेश में सत्ता बदलने का अनुमान है। यहां जगन मोहन रेड्डी को झटका लग सकता है। शुरुआती रुझानों में टीडीपी-भाजपा गठबंधन को बहुमत मिला है। टीडीपी के खाते में 130 सीटें गई हैं। वहीं, जेएनपी को 20 सीटें और भाजपा को सात सीटें मिलीं। वाईएसआरसीपी के खाते में 18 सीटें ही आईं। जबकि कांग्रेस और अन्य दलों का खाता नहीं खुला। आंध्र प्रदेश की 175 विधानसभा सीटों पर कड़ी टक्कर का मुकाबला है। यहां बहुमत के लिए किसी भी पार्टी या गठबंधन को 88 सीटें जीतनी होंगी। यहां एक तरफ सीएम जगन मोहन रेड्डी हैं, जिनकी सरकार ने 30 मई को ही पांच साल पूरे किए हैं तो दूसरी तरफ टीडीपी-भाजपा गठबंधन है, जो इस चुनाव में जीत दर्ज करने के दावे कर रहा है। पीपुल्स प्लस के एग्जिट पोल के मुताबिक वाईएसआर कांग्रेस को 45-60 सीटें मिलने का अनुमान है। जबकि टीडीपी और भाजपा गठबंधन को 111-135 सीटें मिल सकती हैं। कांग्रेस खाता खोलने के लिए भी संघर्ष करेगी। अन्य का भी सूपड़ा साफ होगा। बता दें कि सूबे में चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी, पवन कल्याण की जनसेना पार्टी और भाजपा मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं। एनडीए का सीधा मुकाबला जगन मोहन रेड्डी की वाईएसआरसीपी से है।

चुनाव से पहले एनडीए में दोबारा शामिल हुई थी टीडीपी

चुनाव से पहले भाजपा की अगुवाई वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और तेलगु देशम पार्टी (टीडीपी) के नेता चंद्रबाबू नायडू ने वापसी की थी। साल 1996 में टीडीपी पहली बार एनडीए का हिस्सा बनी थी। चंद्रबाबू नायडू ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मिलकर काम किया था। इतना ही नहीं, आंध्र प्रदेश में 2014 का लोकसभा और विधानसभा चुनाव भी टीडीपी ने भाजपा के साथ लड़ा था, लेकिन 2019 में टीडीपी, एनडीए से अलग हो गई थी।

2019 में था यह आंकड़ा

साल 2019 में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) ने 175 सीटों में से 151 सीटें जीतकर भारी बहुमत से चुनाव जीता था, जबकि मौजूदा तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) ने 23 सीटें जीती थीं। जन सेना पार्टी (जेएसपी) ने एक सीट के साथ विधानसभा में प्रवेश किया था, जबकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कोई भी सीट जीतने में असफल रही थी।

रेप और यौन उत्पीड़न के आरोपी प्रज्वल रेवन्ना 44000 वोट से हारे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। प्रज्वल रेवन्ना कांग्रेस उम्मीदवार श्रेयस पाटिल से हार का सामना करना पड़ा है। जद (एस) 25 साल में पहली बार हासन सीट हार गई है। कांग्रेस उम्मीदवार श्रेयस पटेल ने बलात्कार और यौन उत्पीड़न के आरोपी जद (एस) उम्मीदवार प्रज्वल रेवन्ना को हराया है। 2019 में रेवन्ना के सांसद चुने जाने से पहले, इस निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा करते थे।

गुलबर्गा जहां एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के दामाद राधाकृष्ण डोड्डामणि भाजपा के उमेश जाधव से 10,000 वोटों से आगे चल रहे हैं। कोप्पल जहां कांग्रेस 3800 वोटों से आगे चल रही है। दावणगेरे जहां कांग्रेस 10,000 वोटों से आगे चल रही है। हासन जहां कांग्रेस उम्मीदवार श्रेयस पाटिल 13,000 वोटों से आगे चल रहे हैं। हावेरी जहां बीजेपी 27

हजार वोटों से आगे चल रही है। चुनाव आयोग के अधिकारियों के अनुसार, नवीनतम मतगणना आंकड़ों के अनुसार भाजपा 16 सीटों पर, कांग्रेस 10 सीटों पर और जद (एस) दो सीटों पर आगे है। 2019 के आम चुनाव में कांग्रेस ने राज्य की कुल 28 में से महज एक सीट जीती। भाजपा ने पिछले लोकसभा चुनाव में 25 सीटों पर जीत हासिल की थी, जबकि उसके समर्थन से एक निर्दलीय ने भी जीत हासिल की थी। पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा की अध्यक्षता वाली जद (एस) एक निर्वाचन क्षेत्र में विजयी हुई थी। कांग्रेस और जद(एस) उस समय गठबंधन सरकार चला रहे थे और उन्होंने साथ मिलकर चुनाव लड़ा था।

बीजेपी ने गोएबल्स नीति के तहत दुष्प्रचार किया : राउत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» बोले, कांग्रेस की पकड़ होगी मजबूत

मुंबई। उद्धव ठाकरे गुट के नेता और सांसद संजय राउत ने अहम बयान दिया है। नरेंद्र मोदी वाराणसी सीट से खड़े हैं, वे काशीपुत्र के पुत्र हैं। भारत अघाड़ी इस वक्त तेजी से आगे बढ़ रही है। राउत ने इस बात की भी आलोचना की कि बीजेपी ने गोएबल्स नीति के तहत दुष्प्रचार किया है। भारत अघाड़ी ने एग्जिट पोल के आंकड़ों को पार कर लिया है। भारत अघाड़ी ने एक लंबा सफर तय किया है। मेरी समझ से कांग्रेस पार्टी को 150 सीटें मिलेंगी। जिस कांग्रेस पार्टी को पिछले चुनाव में 50 सीटें भी नहीं मिली थीं।

मुझे लगता है कि यही पार्टी अब 150 सीटों से आगे जा सकती

है। मुझे लगता है कि कांग्रेस के 150 सीटों तक पहुंचने का मतलब है कि मोदी का विदाई समारोह पूरा हो गया है, हमारे अध्ययन के अनुसार, महा विकास अघाड़ी महाराष्ट्र में आगे रहेगी और भारत अघाड़ी देश में 295 से अधिक सीटें जीतेगी। मुझे बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए को बहुमत मिलता नहीं दिख रहा है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।